

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)		सेमेस्टर -II	सत्र :2024-25
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSC-02	
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	भारत में परिवर्तनशील सामाजिक संस्थाएँ (Changing Social Institutions in India)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSC डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार	
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	<p>कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे-</p> <ul style="list-style-type: none"> विद्यार्थियों को भारतीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी होगी। विद्यार्थी भारतीय सामाजिक संरचना के पूर्व एवं वर्तमान स्थिति से परिचित होंगे। यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज के प्रमुख मुद्दों को समझने में सहायक होगा। यह पाठ्यक्रम ग्रामीण संरचना, विकास और मुद्दों की जानकारी होगी। विद्यार्थी भारत की सामाजिक समस्याओं की जानकारी होगी। 	
6	क्रेडिट महत्व	04	क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई-I प्राचीन भारत : समाज एवं परिवर्तन	<ol style="list-style-type: none"> प्राचीन भारतीय समाज और परिवर्तन आश्रम, पुरुषार्थ कर्म: पूर्व और वर्तमान की स्थिति जाति और वर्ण की अवधारणा 	15
इकाई-II भारतीय सामाजिक संरचना में परिवर्तन	<ol style="list-style-type: none"> पारिवार की अवधारणा और इसकी बदलती प्रकृति विवाह और उसकी चुनौतियाँ नातेदारी: सिद्धांत और स्वरूप जजमानी और कृषक संबंध 	15
इकाई-III ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था	<ol style="list-style-type: none"> ग्रामीण विकास और परिवर्तन ग्रामीण प्रवासन एवं शहरीकरण ग्रामीण समाज में धार्मिकता एवं अंधविश्वास कृषकों की समस्याएँ 	15
इकाई-IV भारत में सामाजिक मुद्दें	<ol style="list-style-type: none"> गरीबी और बेरोजगारी : कारण एवं निदान भ्रष्टाचार की समस्या : कारण एवं निदान नशीले पदार्थों का सेवन : प्रकार कारण और निवारण साइबर अपराध के प्रकार: कारण एवं निदान 	15

हस्ताक्षर, राक्षस एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंत्रालय)

① 10.6.24
 ② 10.6.24
 ③ 10.6.24
 ④ 10.6.24
 ⑤ 10.6.24
 ⑥ 10.6.24
 ⑦ 10.6.24

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय




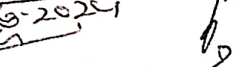
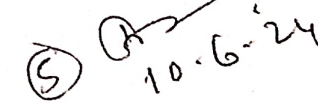
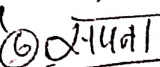
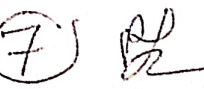
कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)		सेमेस्टर -IV	सत्र : 2025-26
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSC-04	
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	सामाजिक समस्याएं एवं सामाजिक परिवर्तन (Social Problems and Social Change)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSC डिप्लोमा स्पेसिफिक कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार	
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	<p>कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे-</p> <ul style="list-style-type: none"> विद्यार्थी भारत में सामाजिक समस्याओं के कारणों और पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे। विद्यार्थी समाज की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे। सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को समझने एवं अपनाने की प्रवृत्ति विकसित होगी। समाज के लोगों की समस्याओं को समझकर उसका निदान करने में सक्षम होंगे। 	
6	क्रेडिट महत्व	04	क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई-I सामाजिक समस्याओं की अवधारणा	<ol style="list-style-type: none"> सामाजिक समस्याएँ: अवधारणा स्रोत एवं प्रकार। सामाजिक समस्याएँ : कारण एवं निवारण । सामाजिक संघर्ष : प्रकार एवं सिद्धांत । किशोर अपराध : प्रकार, कारण और निवारण । 	15
इकाई -II भारत में सामाजिक समस्याएँ	<ol style="list-style-type: none"> संरचनात्मक समस्याएँ: गरीबी क्षेत्रीय असमानता, जातिगत असमानता की समस्या की अवधारणा। महिलाओं एवं युवाओं की समस्या । मादक द्रव्य व्यवसन एवं मद्यपान : कारण निदान। बाल श्रमिक एवं मानव तस्करी : कारण निदान । 	15
इकाई -III भारत में सामाजिक परिवर्तन	<ol style="list-style-type: none"> सामाजिक परिवर्तन : प्रकार एवं प्रमुख कारण । सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत । सामाजिक परिवर्तन एवं विकास । भारत में सामाजिक परिवर्तन के विकास में अवरोध । 	15
इकाई -IV सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> नगरीकरण : प्रकृति, कारण एवं समस्या । आधुनिकीकरण: प्रभाव, कारण, भारतीय परंपरा का । आधुनिकीकरण । औद्योगीकरण: आर्थिक प्रभाव एवं पर्यावरणीय प्रभाव। पश्चिमीकरण: कारण और प्रभाव । 	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

①  ② 
 ③  ④ 
 ⑤  ⑥ 
 ⑦ 

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)	सेमेस्टर -IV	सत्र :2024-25
विषय : समाजशास्त्र		
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSE-02
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्यावरण और समाज (Environment and Society)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSE
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	<p>कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे-</p> <ul style="list-style-type: none"> • यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण, सतत विकास और संसाधन प्रबंधन के मुद्दों पर एक ठोस वैचारिक और सैद्धांतिक और अनुभवजन्य पृष्ठभूमि प्रदान करेगा। • यह पाठ्यक्रम उन्हें पर्यावरण के समय क्षेत्र में शोध के लिए तैयार करेगा। • विद्यार्थी पर्यावरण और समाज पर वार्तालाप कर मुख्य अवधारणाओं, सिद्धांतों और प्रमुख प्रथाओं को समझने की जानकारी होगी। • यह पाठ्यक्रम समाज द्वारा प्रकृति पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रतिमानों और विचारों की गहरी समझ विकसित करेगा। • यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण आंदोलन और संसाधन प्रबंधन पर वर्तमान सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मुद्दों को समझने में सहायक होगा।
6	क्रेडिट महत्व	04
		क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100
		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई -I पर्यावरण की अवधारणा	<ol style="list-style-type: none"> 1. पर्यावरण : अवधारणा एवं महत्व । 2. पारिस्थितिकी की उद्देश्य, कार्य एवं महत्व । 3. पारिस्थितिकी तंत्र : मानवीय कारण एवं प्रभाव । 4. जैव विविधता : प्रकार, महत्व एवं प्रभाव। 	15
इकाई -II सैद्धांतिक दृष्टिकोण	<ol style="list-style-type: none"> 1. पारिस्थितिक: सिद्धांत एवं महत्व । 2. गांधीवादी विचारधारा: सिद्धांत एवं महत्व । 3. इको नारीवाद: उद्देश्य एवं महत्व । 4. मानवकेंद्रित दर्शन एवं नैतिकता । 	15
इकाई -III पर्यावरण संरक्षण की पहल	<ol style="list-style-type: none"> 1. पर्यावरण संरक्षण : उद्देश्य एवं महत्व । 2. पर्यावरण संरक्षण में भारत की भूमिका । 3. पर्यावरण संरक्षण के कारण एवं उपाये । 4. सतत् विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण पहल । 	15
इकाई -IV विभिन्न आंदोलन और अधिनियम	<ol style="list-style-type: none"> 1. पर्यावरण आन्दोलन : उद्देश्य एवं कारण । 2. पर्यावरण आन्दोलन का विकास एवं प्रभाव । 3. पर्यावरण आंदोलन: चिपको आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, जंगल बचाओ आंदोलन। 4. भारत में विभिन्न पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और कानून । 	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

① [Signature] ③ [Signature] ⑥ [Signature] ⑦ [Signature]
 ② [Signature] 10.6.24 ④ [Signature] 10.6.24 ⑤ [Signature]